कक्षा 4

संलग्नक ।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत , सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाएगा ताकि उन्हें
विभिन्न विषयों, स्थितियों, घटनाओं म अनुभवों, कहानियों कविताओं आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने सुनने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों ।
'पढ़ने का कोना 'में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/ऐं, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री, जैसे - बाल साहित्य बाल पत्रिकाएँ , पोस्टर, ऑडीओ-विडीओ सामग्री उपलब्ध हो ।
तरह तरह की कहानियों कविताओं पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने समझाने के अवसर उपलब्ध हों
सुनी, देखी, बातों को अपने तरीक़े से काग़ज़ पर उतरने के अवसर हों । ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी
अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य//अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों ।
अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला, खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनुभवों को लेकर एक दूसरे से बाँटने के अवसर हों
एक दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों
विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे किसी कहानी या पात्रों के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया, राय, तर्क देना, विश्लेषण करना आदि ।
कहानी, कविता आदि को बोलकर पढ़ने सुनने और सुनी देखी पढ़ी घटनाओं को अपने तरीक़े से, अपनी भाषा में कहने और लिखने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के अवसर एवं प्रोत्साहन उपलब्ध हों ।
ज़रूरत और संदर्भ के अनुसार अपनी भाषा गढ़ने (नये शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर उपलब्ध हों ।
एक दूसरे को लिखी हुई रचनाओं को सुनने पढ़ने और उस पर अपने राय देने उसमें अपने बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों ।
अपनी बात को अपने ढंग से सृजनात्मक तरीके से अभिव्यक्त (मौखिक, लिखित, सांकेतिक रूप से) करने की आज़ादी हो ।

आस पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं (जैसे - मेरे घर की चैट से सूरज क्यों नहीं दिखता? सामने वाले पेड़ पर बैठने वाली चिड़ियाँ कहाँ चली गयीं?) को लेकर प्रश्न करने, सहपाठियों से बातचीत या चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों ।
कक्षा में अपने साथियों को भाषाओं पर गौर करने के अवसर हों जैसे - आम, रोटी, तोता आदि शब्दों को अपनी अपनी भाषा में कहे जाने के अवसर उपलब्ध हों ।
विषय वस्तु के संदर्भ में भाषा को बारीकियों और उसकी नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उनका प्रयोग करने के अवसर हों ।
अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे - गणित, विज्ञान,सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझने और उसका संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों ।

संलग्नक II
मन - मानचित्रण(मैपिंग) कक्षा 4 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते और प्रश्न पूछते हैं ।
सुनी हुई रचनाओं की विषय वस्तु घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं ।
कहानी,कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी /बात जोड़ते हैं ।
भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं ।
तरह -तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार,बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं ।
विविध प्रकार की सामग्री (जैसे - समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक बाल पत्रिका आदि(में आए प्राकृतिक सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं ।
पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक / लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं ।
अलग अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार, बाल पत्रिका, जैसे पूर्ण विराम, अल्प विराम प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।
पढने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं ।

पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं ।
स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे - गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन , नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की सराहना करते हैं ।
भाषा की बारीकियों , जैसे - शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं ।
किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते है ।
विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, सामान की सूची, कविता, कहानी, चिट्ठी आदि) के अनुसार लिखते हैं ।
स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधियों के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं ।
अलग अलग तरह की रचनाओं में आए ने शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं ।
विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम - चिन्हों, जैसे - पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।
अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्ण आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं ।

संलग्नक III----कक्षा 4			
मन-मानचित्र (मैपिंग) कक्षा 4 हिन्दी विषय सी. बी. एस. ई. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ -	**सम्पूर्ण विषय**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ 1 - मन के भोले- भाले बादल	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अग्रसर करना और उनका मनोरंजन करना। विद्यार्थियों को समय अनुसार प्रकृति के नियमों की जानकारी देना ।	कहानी,कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी /बात जोड़ते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता के काव्यांशों से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार - पांच वाक्यों, जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे। प्रकृति की मानवीकरण के बारे में चर्चा करते हुए बच्चे बारी - बारी से पाठ के अंशों को पढ़ेंगे तथा ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	

		दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा कविता के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना । कविता के माध्यम से वर्षा की अधिकता के कारण बाढ से होने वाली परेशानियों पर चर्चा करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे कविता के कम से कम पाँच वाक्य(३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। ऋतुओं के विषय में लिखवा कर कक्षा में छात्रों के लेखन कौशल को जानना| सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे। कागज की नाव बनाकर रचनात्मक क्रियाकलाप कराना ।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-बादल,भोला ,शैतानी तूफानी, बाढ़ । सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। जैसे-भोला--बच्चों का मन बहुत भोला होता है।	

		शैतानी -हमें कभी भी शैतानी नहीं करनी चाहिए।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति प्रेरित करना, उसकी सुंदरता और निश्चल भाव को दर्शाना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -2	सम्पूर्ण विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 2 जैसा सवाल वैसा जवाब	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मनोरंजन कराना । विद्यार्थियों को समस्याओं का सरलता से हल करना सिखाना।	सभी विद्यार्थी भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा समझते हैं और उसका इस्तेमाल करते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार- पांच वाक्यों, जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे।	

		जीवन की समस्याओं को आसानी से हल करने के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे ,जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे कविता के कम से कम पाँच वाक्य(३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे ।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	

	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-बुद्धिमान, विश्वास ,कोशिश, पसंद अभिमान। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। बुद्धिमान- बुद्धिमान व्यक्ति सभी समस्याओं का समाधान कर सकता है। अभिमान- हमें कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -3	सम्पूर्ण विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 3 किरमिच की गेंद	सरल अन्वेषण	पाठ के माध्यम से खेलों से परिचित करना । विद्यार्थियों को अंदर और बाहर खेले जाने वाले खेलों के बारे में बातचीत करना ।	सभी विद्यार्थी सुनी हुई रचनाओं की विषय वस्तु, घटनाओ, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे मे बातचीत करते है/ प्रश्न पूछते है, अपनी राय देते है तथा अपनी बात के लिए तर्कदेते है।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों, जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे। •बच्चों की खेल के प्रति रुचि , उत्साह और उनके अनुभव के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	

	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे ,नए शब्द पढ़ने में समर्थ होंगे जैसे -ईमानदारी| जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे कविता के कम से कम पाँच वाक्य(३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	प्रिय खेल के विषय पर लिखकर लेखन कौशल बढाना और पाठ का अंत बदलकर लिखना और सारांश ग्रहण करना । छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-बाजार ,धरती ,गेंद ईमानदारी,छत। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे।	

		जैसे-धरती-हमारी धरती बहुत सुंदर है। ईमानदारी- ईमानदारी मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा बराबरी, अनुशासन और दूसरों के बारे में सोचना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -4	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 4	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों की पाठ के माध्यम से कार्य के प्रति दिलचस्पी बढाना ।	

पापा जब बच्चे थे		विद्यार्थियों को शेखचिल्ली की कहानियॉ सुनाना ।	सभी विद्यार्थी स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि - गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि की सराहना करते है ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों, जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। बच्चों के बाल मन के भाव और उनके स्वभाव के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे ।	

	लेखन कौशल का विकास	बच्चे पाठ में आये बाल -मन के अस्थिर स्वभाव को ध्यान में रखते हुए स्वयं को मुख्य चरित्र मानकर कहानी को लिखने में समर्थ होगें । छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-चौकीदार, हैरानी यात्रा ,समस्या, मुश्किल। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। जैसे-चौकीदार -चौकीदार हमारी सुरक्षा करते हैं। यात्रा-मुझे यात्रा करना पसंद है।	

	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा ।	

पाठ -5	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 5 दोस्त की पोशाक	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को राजाओं की कहानियॉ सुनाना । पाठ के माध्यम से परिधानों पर चर्चा करना ।	सभी विद्यार्थी विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, कविता, कहानी आदि) के अनुसार लिखते है ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	

		विभिन्न प्रकार की पोशाकों तथा उनकी आवश्यकता के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षक पाठ को पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। अपने बचपन की प्रिय पोशाक पर किस्से लिखकर लेखन कौशल बढाना ।	

		सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे- पोशाक ,पड़ोसी, परिचय,दोस्त, मुलाकात। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। जैसे-पड़ोसी- मेरे पड़ोसी बहुत अच्छे हैं। मुलाकात-मैंने अपने मित्र से मुलाकात की।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से प्राचीनकाल के राजाओं के गुणों द्वारा प्रोत्साहित करना आदि ।	

		नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा ।	

पाठ -6	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 6 नाव बनाओ नाव बनाओ	सरल अन्वेषण	कविता के माध्यम से बरसात के मौसम पर चर्चा करना । विद्यार्थियों को बरसात के मौसम मे कागज से नाव बनाने के बारे मे बताना।	सभी विद्यार्थी विविध प्रकार की सामग्री जैसे - समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक बाल पत्रिका आदि में आए प्राकृतिक सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिन्दुओ को समझते हैं और उन पर चर्चा करते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। देश के विभिन्न मौसम • के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि।	

		दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा---कविता के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे ,जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। बरसात के मौसम के आनन्द के किस्से लिखकर लेखन कौशल बढाना और कागज की नाव बनाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे।	

		जैसे-नाव, सागर ,भैया, घर, गुल्लक। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। जैसे-गुल्लक-मेरी गुल्लक पैसों से भरी हुई है। सागर -सागर में तेज लहरें उठती रहती हैं।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से बचपन में खेले जाने वाले खेल, उनमें दिखाया जाने वाला अपनापन व सरलता आदि गुणों का विकास करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -7	सम्पूर्ण विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 7 दान का हिसाब	सरल अन्वेषण	पाठ के माध्यम से दान और भीख में अंतर बताना ।	सभी विद्यार्थी अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री अख़बार, बाल पत्रिका, से पूर्ण विराम, अल्प विराम , प्रश्नवाचक चिन्ह का इस्तेमाल करते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। दूसरों की सहायता करने के बारे में चर्चा करते शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा---पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	

	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। किसी एक दानवीर का किस्सा लिख कर लेखन कौशल बढ़ाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे- विद्वान ,सज्जन,सत्कार,अनाज,सुगंधित। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे।	

		जैसे-सत्कार- हम अतिथि का सत्कार करते हैं। सुगंधित-फूल सुगंधित होते हैं।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को परोपकारी बनने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -8	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 8 कौन ?	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से घर में रहने वाले जीव- जंतुओं के बारे में बताना तथा उनसे बातचीत करना। कविता के माध्यम से घरेलू जीव-जन्तुओं व चूहो पर चर्चा करना ।	सभी विद्यार्थी भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा समझते और उसका इस्तेमाल करते है ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	मौखिक पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे। सभी के प्रति परोपकारी बनने के बारे में चर्चा करते शिक्षक पाठ को पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा कविता के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा ।	

		वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। पहेलियों को लिख कर लेखन कौशल बढाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-स्याही, रस्सी, अनजाने, पैसा, मिठाई। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। जैसे-अनजाने-हमें अनजाने में भी किसी को गलत बात नहीं कहनी चाहिए। मिठाई-मुझे मिठाई खाना बहुत पसंद है।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से ।	

		श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से जीव-जन्तुओ के लिए परोपकारी बनने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -9	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 9 स्वतंत्रता की ओर	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्षों के बारे में बताना । पाठ के माध्यम से स्वतन्त्रता सेनानियों पर चर्चा करना ।	तरह -तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार,बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्षों के बारे में चर्चा करते शिक्षक पाठ को पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे।	

		पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे ।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। गांधी जी की जीवनी को लिख कर लेखन कौशल बढाना ।	

		सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-आश्रम, योजना, स्वतंत्रता ,खादी, रसोईघर। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे। जैसे-स्वतंत्रता-स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बहुत- से नौजवानों ने अपना बलिदान दिया। योजना-मैंने अपना कार्य पूर्ण करने की योजना बनाई है।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	

	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से देश से प्रेम करने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -10	सम्पूर्ण विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 10 थप रोटी थप दाल	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से संतुलित आहार के बारे में बातचीत करना । पाठ के माध्यम से संतुलित आहार पर चर्चा करना ।	पढने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं । अलग अलग तरह की रचनाओं में आए ने शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। सहयोग करने की भावना के बारे में चर्चा करते शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर	

		नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। अपने प्रिय भोजन के विषय में लिखवाकर लेखन कौशल बढ़ाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-स्वाद ,भूख,अभिनय, मक्खन, रोटी। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्य का निर्माण करेंगे । जैसे-अभिनय-नाटक में ने सभी ने अच्छा अभिनय किया। भूख-मुझे बहुत भूख लगी है।	

	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मिल बांट कर खाने और सहयोग करने की भावना के लिये प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -11	सम्पूर्ण विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 11 पढक्कू की सूझ	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों से पाठ के माध्यम से दिमागी सूझ-बूझ के बारे में बातचीत करना ।	भाषा की बारीकियों , जैसे - शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	

		सूझ-बूझ के बारे में चर्चा करते शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते है ।
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें।	

		अपने स्वयं आपबीती किस्से पर लिखकर लेखन कौशल बढाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-मालिक,निश्चय, ज्ञान माया ,बूंद। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्य निर्माण करेंगे । जैसे-मालिक-नौकर ने मालिक की आज्ञा का पालन किया। निश्चय-मोहन जो निश्चय कर लेता है उसे वह पूरा करता है।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर ।	

		लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से सूझ-बूझ से कार्य करने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	

पाठ -12	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 12 सुनीता की पहिया कुर्सी	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति के स्वाभिमान से परिचित करवाना । पाठ के माध्यम से दृढ़ इच्छा व्यक्ति पर चर्चा करना ।	सभी विद्यार्थी पढ़ी गई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं,प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं तथा अपनी बात के लिए तर्क देते हैं । विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम - चिन्हों, जैसे - पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। शारीरिक रूप से विकलांग होने पर भी स्वाभिमान बनाए रखने के बारे में चर्चा करते शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे।	

		पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। बच्चों द्वारा किसी की मदद करने के विषय मे लिखकर लेखन कौशल बढाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-कुर्सी ,तैयार,छुट्टी, धन्यवाद ,व्यवहार।	

		सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्य निर्माण करेंगे । जैसे-व्यवहार-दुकानदार का व्यवहार अच्छा नहीं था। धन्यवाद-कार्य समाप्त होने पर मैंने राम को धन्यवाद कहा।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन मे मजबूती से समस्याओं से निपटने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा ।	

पाठ -13	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 13 हुदहुद	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से पक्षियों की कल्पना के बारे में बातचीत करना । पाठ के माध्यम से पक्षियों के आकाश भ्रमण पर चर्चा करना	

	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार- पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पक्षियों के स्वभाव के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	सभी विद्यार्थी पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की मौखिक, लिखित अभिव्यक्ति करते हैं । स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधियों के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। पक्षियों के बारे में लिखवा कर उनका लेखन कौशल बढ़ाना ।	

		सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-बादशाह, मदद, सलाह ,वंश ,समाप्त। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्य निर्माण करेंगे । जैसे-बादशाह-बादशाह की आज्ञा से सभी ने प्रस्थान किया। समाप्त-हमें अपना कार्य समय पर समाप्त करना चाहिए।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से । श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से पक्षियों के स्वभाव से अवगत करना ; दूसरे पक्षियों की तुलना करने मे समर्थ होने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा ।	

पाठ -14	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 14-मुफ्त ही मुफ्त	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से बिना पैसे के सामान न खरीदने के बारे में प्रेरित करना।	सभी विद्यार्थी दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते है और प्रश्न पूछते है । अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्ण आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं ।
	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के मौखिकउत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। परिश्रम के बल के बारे में चर्चा करते हुए पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे। पाठ विस्तार में सहायक-स्मार्ट बोर्ड,दृश्य -श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना । जैसे- पी. पी. टी, ऑडियो, वीडियो आदि। दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से	

		कम पाँच वाक्य(२० से २५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेगें। बच्चो द्वारा परिश्रम के बल पर वस्तुओं को प्राप्त करने जैसे किस्से लिखवाकर लेखन कौशल बढ़ाना । सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पांच नवीन शब्दों को जानेंगे। जैसे-कंजूस ,बाजार, वापस ,मौका,मेहनत। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्य निर्माण करेंगे । जैसे-मेहनत-मेहनत करने वालों को सब कुछ प्राप्त होता है। वापस- बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से ।	

		श्रुतलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मेहनत द्वारा प्रत्येक वस्तु को प्राप्त करने जैसे नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |	